भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3384

दिनांक 07 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ओडिशा में एनएचएम योजनाएं और वित्तीय सहायता

†3384. श्री प्रदीप पुरोहित:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत दो वर्षों के दौरान ओडिशा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है और इस योजना के उद्देश्य क्या हैं और वर्ष-वार और योजना-वार कितनी धनराशि जारी की गई है;

(ख) राज्य में पिछले दो वर्षों के दौरान विभिन्न एनएचएम योजनाओं के तहत शामिल किए गए लाभार्थियों की योजना-वार, वर्ष-वार और विशेषकर बरगढ़ और झारसुगुड़ा सहित जिला-वार संख्या कितनी है;

(ग) विगत दो वित्त वर्षों के दौरान ओडिशा के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत स्वीकृत, जारी की गई और उपयोग की गई वित्तीय सहायता का केन्द्र और राज्य के अलग-अलग हिस्से को दर्शाते हुए ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने बरगढ़ और झारसुगुड़ा जिलों में एनएचएम बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य देखभाल जनशक्ति और सेवा वितरण की पर्याप्तता का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन जिलों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए विचाराधीन किसी प्रस्ताव का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): 'जन स्वास्थ्य और अस्पताल' राज्य के विषय हैं। ओडिशा सहित संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) का मुख्य दायित्व बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य परिचर्या मानव संसाधन और सेवा प्रदायगी सहित जन स्वास्थ्य परिचर्या प्रणाली को सुदृढ़ करना है।

तथापि, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत, कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के रूप में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर जन स्वास्थ्य परिचर्या

प्रणाली को मजबूत करने के लिए ओडिशा सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। भारत सरकार मानकों और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार कार्यवाही के अभिलेख (आरओपी) के रूप में प्राप्त प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करती है। ओडिशा राज्य के आरओपी को https://nhm.gov.in/index4.php?lang=1&level=0&linkid=45&lid=58 पर देखा जा सकता है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के आधारस्तंभ के रूप में कार्य करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या में सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये केंद्र, केवल बुनियादी उपचारात्मक परिचर्या से आगे बढ़कर सेवाओं का एक व्यापक पैकेज प्रदान करते हैं, जिसमें गैर-संचारी रोगों की जांच और प्रबंधन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, मुख स्वास्थ्य, नेत्र परिचर्या , ईएनटी परिचर्या और प्रशामक परिचर्या शामिल हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपचारात्मक परिचर्या से ध्यान हटाकर समुदाय-आधारित निवारक और संवर्धित स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करके, एक स्वस्थ और समृद्ध भारत की आधारशिला रख रहे हैं।

ओडिशा राज्य को पिछले दो वित्तीय वर्षों 2024-25 और 2025-26 के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत केंद्रीय निर्गम का विवरण इस प्रकार है:

(करोड़ रुपये में)

वित्तीय वर्ष	केंद्रीय निर्गम	व्यय
2024-25	1,916.79	3,585.01
2025-26	1,760.71	4,330.21

नोट: उपर्युक्त निर्गम केंद्र सरकार के अनुदान से संबंधित है और इसमें राज्य के अंशदान शामिल नहीं है।

ओडिशा के बरगढ़ और झारसुगुड़ा जिलों सहित देश में स्वास्थ्य सुविधाओं का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)-वार विवरण 'हेल्थ डायनेमिक्स ऑफ इंडिया (एचडीआई), 2023-24' के निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है:
https://www.mohfw-dohfw.gov.in/static/uploads/2026/05/57202cf30629539e4d0fb0a2f700ac62.pdf

जन स्वास्थ्य सुविधाओं में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और सेवाओं में सुधार के लिए, सरकार ने भारतीय जन स्वास्थ्य मानक (आईपीएचएस) निर्धारित किए हैं। वे इन सुविधाओं में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन, दवाओं, निदान, उपकरण, गुणवत्ता और शासन संबंधी अपेक्षाओं जैसे स्वास्थ्य प्रणाली घटकों पर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इनका उपयोग राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य परिचर्या बुनियादी ढांचे के नियोजन और उन्नयन के लिए संदर्भ बिंदु के रूप में किया जाता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों सहित सभी स्तरों की सुविधाओं द्वारा स्व-मूल्यांकन को आसान बनाने के लिए मंत्रालय ने 28 जून, 2024 को आईपीएचएस के तहत एक ओपन-सोर्स टूलकिट और एक वेब-आधारित डैशबोर्ड (www.iphs.mohfw.gov.in) शुरू किया है। आईपीएचएस डैशबोर्ड को आईपीएचएस

2022 मानकों के अनुरूप अनुपालन करने के लिए जन स्वास्थ्य सुविधाओं की निगरानी हेतु डिज़ाइन किया गया है और यह वास्तविक समय (रियल-टाइम) की अद्यतित जानकारी प्रदान करता है, जिससे कमियों की पहचान करने और समय पर हस्तक्षेप करने के लिए निगरानी और डेटा-आधारित निर्णय लेने में सहायता मिलती है।

एनएचएम के तहत, सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में समीक्षा बैठकों, प्रमुख लक्ष्यों की मध्यावधि समीक्षाओं, वरिष्ठ अधिकारियों के क्षेत्र दौरों, सेवा वितरण के लिए मानदंड निर्धारित करके प्रदर्शन को बढ़ावा देने और उपलब्धियों को पुरस्कृत करने आदि के माध्यम से एनएचएम बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य परिचर्या मानव संसाधन और सेवा वितरण सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रदर्शन की नियमित रूप से निगरानी की जाती है। इसके अलावा, इस योजना के तहत प्रगति और कार्यान्वयन की स्थिति का आकलन और निगरानी करने के लिए प्रतिवर्ष कॉमन रिव्यू मिशन (सीआरएम) भी आयोजित किए जाते हैं।

*****